विवान 7

पाठ 1. फूल और काँटा

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को यह सीख देना है कि हम अपने कर्म, अपनी मेहनत तथा अपने स्वभाव द्वारा ही समाज में स्थान एवं प्रशंसा प्राप्त करते हैं। यदि हमारा स्वभाव एवं आचरण अच्छा नहीं होगा तो हमारे सारे गुण धूमिल हो जाएँगे।

कविता का सारांश

फूल और काँटा एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं। उनपर समान रूप से चाँद अपनी चाँदनी डालता है और बारिश भी समान रूप से होती है। परंतु दोनों का स्वभाव एक-दूसरे के विपरीत होता है। जहाँ काँटा किसी की उँगलियाँ छेद देता है वहीं दूसरी ओर फूल भौंरों को अपना रस पिलाता है। काँटा सबकी आँखों में खटकता है परंतु फूल देवताओं के सिर पर चढ़ाया जाता है। किसी ऊँचे कुल में जन्म लेने से ही इनसान बड़ा नहीं बन जाता अपितु उसके कर्म ही उसे बड़ा बनाते हैं।

अध्यापन संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से भी इसी प्रकार वाचन करवाएँ। कविता का मूल भाव समझाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें–

मेह उनपर .... होते नहीं।– इन पंक्तियों का भावार्थ है कि फूल और काँटा एक ही पौधे पर जन्म लेने, एक-सी वर्षा और हवा प्राप्त करने के बाद भी अपना अलग-अलग स्वभाव रखते हैं। इसी प्रकार एक ही घर में जन्म लेने तथा समान सुविधाएँ पाने पर भी एक माता-पिता की संतान एक जैसे स्वभाव की नहीं होती।

है खटकता .... बड़प्पन की कसर।– इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि एक ही पौधे पर जन्म लेने वाले फूल और काँटा, अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया पाते हैं। फूल को सभी पसंद करते हैं। वह सभी की प्रशंसा पाता है तथा काँटा सभी का तिरस्कार पाता है। काँटे से सभी बचना चाहते हैं, उसे अपने से दूर करना चाहते हैं। इसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति का स्वभाव या आचरण अच्छा नहीं है तो भले ही उसका कुल या खानदान कितना ही ऊँचा क्यों न हो, वह समाज में प्रशंसा तथा आदर-सम्मान नहीं पाता।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- क्या प्राकृतिक वस्तुओं का भी अलग-अलग स्वभाव होता है? यदि हाँ, तो यह कैसे पहचाना जाता है? सोचकर बताइए। बच्चों को बताएँ, ईश्वर ने प्रकृति की प्रत्येक वस्तु, पेड़-पौधे, जीव-जंतु सभी को भिन्न-भिन्न स्वभाव दिया है। जैसे काँटे का स्वभाव चुभना है लेकिन यदि सूक्ष्मता से समझा जाए तो काँटा फूल की रक्षा भी करता है। इसी प्रकार नारियल का स्वभाव कोमल होता है पर वह ऊपर से कठोर दिखाई देता है तथा नीम और करेला की प्रकृति या स्वभाव तो कड़वा ही होता है परंतु ये बहुत ही गुणकारी होते हैं।

- ‘जिस प्रकार का व्यवहार हम अपने लिए दूसरों से चाहते हैं हमें भी उनके साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए।’ तुम्हारी दृष्टि में क्या यह कथन वास्तव में व्यावहारिक है? क्या लोग ऐसा ही करते हैं?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।